(a) the amount of assistance/loan provided to the States of U.P. Bihar and Haryana for drainage channel during the last three years;

(b) the details of achievements made by these States during that period; and

(c) the assistance given so far to those States during the current year?

THE MINISTER OF WATER RESOURCES (SHRI JANESHWAR MISHRA): (a) The amount of Central Assistance (Grant & Loan) provided to the States of Uttar Pradesh, Bihar and Haryana for construction of field drains under the command area development programme during the last three years i.e. 1993-94 to 1995-96 in given below:

Name of State	*Amount (Rs. lakh)*
Uttar Pradesh	100.92
Bihar	2.26
Haryana	0

(b) As reported by the concerned states achievements in construction of field drains during the last three years is given below:

Name of State	*Length (Kms.)*
Uttar Pradesh	1456.67
Bihar	Not received
Haryana	Nil

(c) There has been no release of Central Assistance itemwise to these States during the current financial year. The release made so far has been on adhoc basis.

अन्तर्देशीय नौवहन का विकास

2032. **श्री गोपाल सिंह जी सोलंकी:** क्या जल-भूतल परिवहन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या पिछले तीन वर्षों के दौरान देश में अंतर्देशीय नदी नौवहन का विकास किया गया है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या आने वाले वर्षों में गुजरात और मध्य प्रदेश के लिए नर्मदा नदी में अंतर्देशीय नौवहन के विकास की कोई संभावना है;

(घ) क्या सरकार ने इस संबंध में कोई सर्वेक्षण किया है; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

जल-भूतल परिवहन मंत्री (श्री टी॰जी॰ वेंकटरामन): (क) जी हां।

(ख) पिछले तीन वर्षों के दौरान तीन जल मार्गों अर्थात् गंगा-भागीरथी-हुगली नदी प्रणाली, ब्रह्मपुत्र नदी और पश्चिम तटीय नहर पर विकास कार्य किए गए हैं। इन जल मार्गों पर चैनल मार्किंग, मार्ग-प्रदर्शन और टर्मिनल सुविधाओं के साथ-साथ नौचालन मार्ग की व्यवस्था की गई है।

(ग) से (ङ) नर्मदा नदी में होशंगाबाद से समुद्र तक (640 कि॰मी॰) के खंड के लिए नौचालन कार्यक्षमता के संबंध में 1982 में और दूसरा 1985 में पूर्व-व्यवहार्यता अध्ययन किए गए थे। परिणामों के अनुसार नदी पर नियोजित चार बड़े बांधों अर्थात् सरदार सरोवर बांध, महेश्वर बांध, ओंकेश्वर बांध और नर्मदा सागर बांध के निर्माण के पश्चात् ही नौचालन संभव है। नर्मदा जल विवाद अधिकरण ने सरदार सरोवर से नीचे की ओर नौचालन के लिए किसी जल मार्ग का आबंटन नहीं किया है। इसलिए इस समय नर्मदा नदी की नौचालन कार्यक्षमता सिद्ध नहीं हुई है।

दूरसंचार नेटवर्क के ढांचे का संगठनात्मक और प्रशासनिक पुनर्गठन

2033. **श्री शमशेर सिंह सुरजेवाला:**
श्री अजीत जोगी:

क्या **संचार** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार देश में दूरसंचार नटवर्क के ढांचे में संगठनात्मक और प्रशासनिक पुनर्गठन करने का विचार रखती है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसमें आने वाली वित्तीय अड़चनों का ब्यौरा क्या है; और

(ग) इसके कार्यान्वयन के लिये निर्धारित समय अवधि क्या है?

संचार मंत्री (श्री बेनी प्रसाद वर्मा): (क) से (ग) देश में दूरसंचार सेवाओं के प्रबंधन के लिए संगठनात्मक/प्रशासकीय मुददों तथा नीति-निर्माण एवं प्रचालन कार्यों के बारे में अध्ययन किए गए हैं। दूरसंचार विभाग के निगमितीकरण में आने वाले वित्तीय भार तथा अन्य संबद्ध कारकों के कारण इसके निगमितीकरण के विकल्प पर कार्रवाई नहीं की गई।

इस मामले में आगे विचार करने के लिए अन्य बातों के साथ-साथ आगामी वर्षों में दूरसंचार क्षेत्र की विकास संबंधी अपेक्षाओं को ध्यान में रखे जाने की आवश्कता है।